



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्रधानमंत्री से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 94] नई विल्सनी, दुबई, जून 8, 1977/ज्येष्ठ 18, 1899

No. 94] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 8, 1977/JYAIKTHA 18, 1899

इस भाग में विवरण पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे इस वह असाधारण खबरों को रख दी रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 8th June 1977

SUBJECT—Import Policy for April 1977—March 1978.

No. 35-ITC(PN)/77.—Attention is invited to the import policy as contained in the Import Trade Control Policy (Volume I) for the period April 1977—March 1978.

2. The following amendments may be made at the appropriate places in the Import Trade Control Policy Book (Volume I) for the period 1977-78 :—

Page No. of the Policy Book (Vol. I)	Reference	Details of amendments
(1)	(2)	(3)
26	Section II, Heading No. 12, 11/10 sub-heading (i)—Copra, Column 3.	<p>1. The following additional remark (iii) may be deemed to have been inserted.</p> <p>"(iii) Requirement of Copra for industrial purposes will be met by imports through Public Sector agency. Please see Section III of this book."</p> <p>2. The existing remark (ii) may be re-numbered as remark (iv).</p>

(1)	(2)	(3)
27	Section II, Heading No. 15.07 sub-heading (1) Soyabean oil and (6) Palm oil.	1. The following additional remark (iii) may be deemed to have been inserted : “(iii) Requirement of (1) Soyabean oil and (2) Palm oil for industrial purposes will be met by imports through Public Sector agency. Please see Section III of this book.” 2. The existing remark (iii) may be re-numbered as (iv).
29	Section II, Heading No. 25.01/32 S. No. 12— Flourspar, Column 3.	The existing words “subject to non-availability from the Gujarat Mineral Development Corporation, Ahmed- abad” appearing in this remark may be deemed to have been deleted.
34	Section III, Group C— Heading, State Trading Corporation of India Ltd (STC)	1. The following entries may be deemed to have been inserted after the existing entry 54—Woollen rags in the respective columns
		“1 2 3
		55. Copra 56. Soyabean oil. 57. Palm oil.
		For meeting the requirements of actual users engaged in Vanaspati, Soaps and other industrial purposes.” 2. The existing S. No. 55 may be deemed to have been re-numbered as S No. 58
109	Section V, Appendix I, Part IV, Item No. 230.	This entry may be deemed to have been deleted
116	Section V, Appendix S. No. 1, Column 3.	2. The following additional remark may be deemed to have been inserted after the existing remark (iv) : “(v) Applications may be made to the licensing au- thorities concerned i.e. in the case of DGT&D units, application may be made to the CCI&E, New Delhi and in the case of SSI units, applica- tions may be made to the regional licensing au- thorities concerned under whose jurisdiction the applicant unit falls.”
204	Section V, Appendix 19, List I, Item No. 234.	This entry may be deemed to have been deleted
217	Section V, Appendix 21, Para 3.	The following additional sub-para (iii) may be deemed to have been inserted : “(iii) Technical journals and magazines, news- papers, news magazines and books [other than those covered by Open General Licence and fiction referred to at (i) above] can be imported upto 100% of the value of quota licence.”
236	Section V, Appendix 24, Para 3	The existing para may be deemed to have been substi- uted by the following : “A U. for import of fluorescent pigments and colours”

वाणिज्य भौतिक संग्रह

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियन्त्रण

नई दिल्ली, 8 जून, 1977

विषय—अप्रैल 1977—मार्च 1978 के लिए आयात नीति।

सं० 35—आईटीसी(पीएन) / 77.—अप्रैल 1977—मार्च 1978 अवधि के लिए आयात व्यापार नियन्त्रण नीति (वा० 1) में यथानिहित आयात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. निम्नलिखित सशोधन 1977—78 अवधि के लिए आयात व्यापार नियन्त्रण नीति में उपयुक्त स्थानों पर किए जाएँ—

नीति पुस्तक

(वा० 1)

संदर्भ

की पृष्ठ

स०

सशोधनों के ब्यौरे

(1)

(2)

(3)

26. ब्लड-२, शीर्षक स० 12 01/10, उप-शीर्षक (1) खोपडा, कालम 3

1. निम्नलिखित अतिरिक्त टिप्पणी (iii) निविष्ट की गई समझी जाए—

“(iii) श्रीधोगिक प्रयोजनों के लिए खोपडे की आवश्यकताएँ सार्वजनिक क्षेत्र के अभिकरण द्वारा किए गए आयातों से पूर्ण की जाएंगी। कृपया इस पुस्तक का छड-III देखें।”

2. वर्तमान टिप्पणी (iii) को (iv) के रूप में पुनः सम्याकित किया जाए।

27. ब्लड-२, शीर्षक स० 107, उप-शीर्षक (1) सोयाबीन का तेल एवं (6) खजूर का तेल

1. निम्नलिखित अतिरिक्त टिप्पणी (iii) निविष्ट की गई समझी जाए—

“(iii) श्रीधोगिक प्रयोजनों का (1) सोयाबीन तेल एवं (2) खजूर तेल की आवश्यकताएँ सार्वजनिक क्षेत्र के अभिकरण द्वारा किए गए आयातों से पूर्ण की जाएंगी। कृपया इस पुस्तक का छड-III देखें।

2. वर्तमान टिप्पणी (iv) को (v) के रूप में पुनः सम्याकित किया जाए।

(1)

(2)

(3)

29 खंड 2, स्त्रीर्षक सं० 25 01 . 2, इस टिप्पणी^१में दर्शाए गए शब्द “गुजरात खनिज क्रम सं० 12 एलोसैपर”, कालम 3 विकास निगम, अहमदाबाद द्वारा न उपलब्ध होने के अधीन” को हटाया गया समझा जाए।

84. खंड-3, वर्ग सी स्त्रीर्षक राज्य व्यापार निगम भारत नि�० (एसटीसी) १. निम्नलिखित प्रविष्टियाँ सम्बन्ध कालम में वर्तमान प्रविष्टि ५४-जनी चिठ्ठे के बाद निविष्ट की गई समझी जाए।—

“ 1 2 3

55 खोपड़ा] वनस्पति, साकुन एवं अन्य 56 सोयाबीन-तेल औद्योगिक प्रयोजनों में लगे 57 खजूर-तेल] हुए वास्तविक उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए।”

2 वर्तमान क्रम सं० ५५ को क्रम सं० ५८ के रूप में पुन संख्याक्रित किया गया समझा जाए।

109. खंड 5, परिशिष्ट 1, भाग 4,
मद सं० 230 प्रस्तुत प्रविष्टि हटाई गई समझी जाए।

116. खंड 5, परिशिष्ट 2, क्रम सं० 1,
कालम 3

निम्नलिखित अतिरिक्त टिप्पणी को वर्तमान टिप्पणी (4) के बाद जोड़ा गया समझा जाए।—

“(5) आवेदन पत्र सम्बद्ध लाइसेंस प्राप्तिकारियों को भेजे जाएं अर्थात् महानिदेशक तकनीकी विकास के एककों के मामले में आवेदन पत्र भुल्य नियंत्रक, आयात-नियर्ता, नई दिस्ती को भेजे जाएं और उच्च उच्छोम के एककों के मामले में आवेदन पत्र उस सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राप्तिकारी को जिसके क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आवेदक आता है।”

204. खण्ड 5, परिशिष्ट 19, सूची 1, इस मद को हटाया गया समझा जाए।
मद सं० 234

(1)

(2)

(3)

217. खण्ड 5, परिशिष्ट 21, कंडिका 3 निम्नलिखित प्रतिरिक्त उप-कंडिका (3) को निविष्ट किया गया समझा जाए :—

“(3) तकनीकी पत्र पत्रिकाएं एवं पत्रिकाएं, समाचार पत्र, समाचार पत्रिका एवं पुस्तकों [खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत प्राप्त वाले एवं उपर्युक्त (1) पर उत्तिलिखित साहित्य को छोड़कर] कोटा लाइसेंस के मूल्य के 100% तक के लिए प्राप्यात की जा सकती है।

236. खण्ड 5, परिशिष्ट 24, कंडिका 3 वर्तमान कंडिका को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया समझा जाए :—

“प्रतिदीप्त रंजक और रंगो के प्राप्यात के लिए वास्तविक उपयोक्ता ।”

ए० एस० गिल,
मुख्य नियन्त्रक, प्राप्यात-नियंत्रि ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मूल्यानुसार तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

